RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 298
दि. 28.03.2026, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

बारिश से फसलों के नुकसान का आकलन कर किसानों को दिलाएं मुआवजा : सीएम योगी

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में असमय बारिश से फसलों को नुकसान के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को तुरंत सर्वे और किसानों को मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। किसान 14447 हेल्पलाइन, क्रॉप इंश्योरेंस ऐप और व्हाट्सएप के जरिए फसल नुकसान की सूचना दे सकते हैं।

उत्तर प्रदेश में हाल ही में हुई असमय बारिश ने कई जिलों के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में तैयार खड़ी फसल को नुकसान पहुंचने की खबरों के बीच राज्य सरकार भी सक्रिय हो गई है। मुख्यमंत्री योगी ने हालात की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने और किसानों को जल्द राहत पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि किसानों का हित सरकार की प्राथमिकता है। ऐसे में जहां भी बारिश की वजह से फसल को नुकसान हुआ है, वहां तुरंत सर्वे कराकर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए और प्रभावित किसानों को समय पर सहायता दी जाए।

संयुक्त सर्वे से होगा नुकसान का आकलन

मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग, कृषि विभाग और बीमा कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे मिलकर फसल नुकसान का संयुक्त सर्वे करें। इस सर्वे के जरिए यह पता लगाया जाएगा कि किन-किन इलाकों में कितनी फसल प्रभावित हुई है। इसके बाद रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी ताकि मुआवजा देने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जा सके।

जिलाधिकारियों को फील्ड में रहने के निर्देश

सीएम योगी ने सभी जिलाधिकारियों से कहा है कि वे खुद फील्ड में जाकर स्थिति का जायजा लें। प्रभावित गांवों और खेतों का निरीक्षण कर वास्तविक नुकसान का आंकलन कराया जाए।

सरकार का लक्ष्य है कि किसानों को बिना किसी देरी के राहत मिले और उन्हें अनावश्यक सरकारी प्रक्रियाओं में न उलझना पड़े।

अधिकारियों को संवेदनशीलता से काम करने की हिदायत

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि वे संवेदनशीलता के साथ काम करें। किसी भी किसान को अपनी समस्या बताने में परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रमुख सचिव और राहत आयुक्त को भी दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव (कृषि) और राहत आयुक्त को भी निर्देशित किया है कि वे फील्ड स्तर पर काम कर रहे अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखें। सभी जिलों से जानकारी समय पर एकत्र की जाए ताकि राहत और मुआवजे की प्रक्रिया में कोई देरी न हो।

आकलन होते ही शुरू होगा मुआवजा

सरकार ने स्पष्ट किया है कि जैसे ही फसल नुकसान का आकलन पूरा होगा, प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा है कि भुगतान व्यवस्था समयबद्ध होनी चाहिए, ताकि किसानों को राहत पाने के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े।

किसान 14447 नंबर पर दे सकते हैं फसल नुकसान की सूचना

राज्य सरकार ने किसानों के लिए फसल नुकसान की जानकारी देने के कई आसान माध्यम भी उपलब्ध कराए हैं। किसान टोल-फ्री नंबर 14447 (KRPH) पर कॉल करके तुरंत फसल नुकसान की सूचना दे सकते हैं। इसके अलावा किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

मोबाइल ऐप और व्हाट्सएप से भी दे सकते हैं जानकारी

सरकार ने डिजिटल माध्यमों के जरिए भी किसानों के लिए प्रक्रिया आसान बनाने की कोशिश की है।

Crop Insurance App के जरिए किसान फसल नुकसान की सूचना दे सकते हैं

व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 7065514447 पर भी जानकारी साझा की जा सकती है

किसान आधिकारिक जानकारी के लिए फसल बीमा पोर्टल pmfby.gov.in पर भी लॉग-इन कर सकते हैं

समस्या होने पर इन अधिकारियों से करें संपर्क

अगर किसी किसान को बीमा या मुआवजे से जुड़ी समस्या आती है, तो वह अपने जिले के उप कृषि निदेशक या जिला कृषि अधिकारी से संपर्क कर सकता है। इसके अलावा संबंधित जिले में काम कर रही बीमा कंपनी के प्रतिनिधि से भी सीधे संपर्क करके मदद ली जा सकती है।

प्रदेश सरकार का कहना है कि इन सभी व्यवस्थाओं का उद्देश्य यही है कि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में किसानों को समय पर राहत मिल सके और बीमा से जुड़ी प्रक्रियाएं आसान बन सकें। असमय बारिश से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं और आने वाले दिनों में सर्वे रिपोर्ट के आधार पर मुआवजे की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

अग्निवीरों को बड़ा तोहफा, बिना फिजिकल दिए मिलेगी नौकरी, 20% सीटें रिजर्व

(जीएनएस)।

दिल्ली पुलिस में भर्ती होने का सपना देखने वाले पूर्व-अग्निवीरों के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस भर्ती नियमों में बदलाव करते हुए पूर्व-अग्निवीरों के लिए कांस्टेबल (एग्जीक्यूटिव) के पदों पर आरक्षण और आयु सीमा में छूट का रास्ता साफ कर दिया है।

27 मार्च, 2026 को जारी इस नोटिफिकेशन के अनुसार, अब सेना का अनुभव रखने वाले इन युवाओं को पुलिस बल का हिस्सा बनने का विशेष मौका मिलेगा।

अब दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल की सीधी भर्ती में 20 प्रतिशत सीटें पूर्व-अग्निवीरों के लिए रिजर्व होंगी। यह कोटा पहले से मौजूद रउ, रळ और डइउ जैसे आरक्षणों के अलावा होगा। इसका मतलब है कि सेना से सेवा पूरी करके आने वाले युवाओं के पास

पुलिस की नौकरी पाने का एक मजबूत और पक्का मौका होगा। सरकार जरूरत के हिसाब से इस कोटे को समय-समय पर बदल भी सकती है, जिससे अधिक से अधिक प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार मिल सके।

भर्ती में पूर्व-अग्निवीरों को उम्र में 3 साल की सामान्य छूट दी जाएगी। जो युवा अग्निपथ योजना के पहले बैच का हिस्सा थे, उन्हें विशेष तौर पर 5 साल की अतिरिक्त छूट मिलेगी। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि इन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) यानी दौड़-धूप वाले फिजिकल टेस्ट से छूट दी गई है। चूंकि वे पहले से ही सेना की कड़ी ट्रेनिंग ले चुके हैं, इसलिए उन्हें सीधे भर्ती प्रक्रिया के अगले चरणों में शामिल किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर में सूर्य तिलक देखा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में सूर्य तिलक ग्रहण किया। श्री मोदी ने कहा, 'प्रभु श्री राम का आशीर्वाद हम पर सदा बना रहे।'

श्री मोदी ने एक्स पर लिखा है:

आज सुबह अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में सूर्य तिलक संस्कार हुआ। प्रभु श्रीराम की कृपा हम सभी पर सदैव बनी रहे।

केंद्रीय कृषि मंत्री से महाराष्ट्र के कृषि मंत्री श्री दत्तात्रय विठोबा भरणे ने की मुलाकात

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से आज नई दिल्ली में महाराष्ट्र के कृषि मंत्री श्री दत्तात्रय विठोबा भरणे ने मुलाकात की।

बैठक के दौरान महाराष्ट्र के कृषि मंत्री ने राज्य में चल रहे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से कृषि यंत्रीकरण एवं ड्रिप सिंचाई के लिए अतिरिक्त निधि उपलब्ध कराने का केंद्रीय कृषि मंत्री से अनुरोध किया।

श्री भरणे ने राज्य के तटीय क्षेत्रों में आम एवं काजू की फसलों को असमय वर्षा से हुए नुकसान के बारे में भी केंद्रीय कृषि मंत्री को अवगत कराया। इस संबंध में केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि नुकसान के आकलन के लिए केंद्र सरकार की टीम पहले ही राज्य का दौरा कर चुकी है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य में असमय वर्षा से फसलों को हुए नुकसान को देखते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अधिकतम लाभ राज्य के किसानों के लिए सुनिश्चित किया जाए।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए 52 टीमों का गठन किया गया है और इसकी प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है। साथ ही, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (फ्छश) की का अधिकतम लाभ उठाने के लिए राज्य को सक्रिय कदम उठाने का भी आग्रह किया।

बैठक के दौरान महाराष्ट्र के कृषि मंत्री ने यह भी बताया कि इस वर्ष राज्य में प्याज का उत्पादन अधिक हुआ है।

मणिपुर की उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की

मणिपुर की उपमुख्यमंत्री सुश्री

नेमचा किपगेन ने केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नई दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास पर आज उनसे मुलाकात की। उन्होंने पीएमजीएसवाई-1 योजना की अवधि बढ़ाने के लिए केंद्रीय मंत्री को धन्यवाद दिया और राज्य में कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में जारी कार्यों की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम 'चुनाव का पर्व, पश्चिम बंगाल का गर्व' का आयोजन

भारत निर्वाचन आयोग ने हावड़ा में सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम "चुनाव का पर्व, पश्चिम बंगाल का गर्व" का आयोजन किया

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों से पहले राज्यव्यापी मतदाता जागरूकता अभियान में तेजी

असम, केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु में भी अभियान को गति मिल रही है

(जीएनएस)।

भारत निर्वाचन आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) और जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) के कार्यालयों के समन्वय से, राज्यव्यापी मतदाता जागरूकता गतिविधियां शुरू की हैं। इनका उद्देश्य शांतिपूर्ण वातावरण में लोकतंत्र के पर्व को मनाना है।

इन पहलों के तहत, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान को बढ़ावा देने के लिए आज पश्चिम बंगाल के हावड़ा और सभी जिलों में सु᐀यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम (स᐀वीप) का आयोजन किया गया।

हावड़ा जिले में, इस कार्यक्रम का शुभारंभ साइक्लोथॉन से हुआ, जिसमें स्कूल और कॉलेज के छात्रों, पहली बार मतदान करने वाले और युवा मतदाताओं के साथ-साथ चुनाव आयोग के अधिकारियों, मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय, डीईओ और अन्य विभागों के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साइक्लोथॉन सुबह 7:00 बजे हावड़ा ब्रिज चेक पोस्ट से शुरू हुई और रेल संग्रहालय से होते हुए रामकृष्णपुर फेरी घाट पर समाप्त हुई। इसके बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोकगीतों, नृत्य और नाटक के माध्यम से मतदान के महत्व को दर्शाया गया। इसके अतिरि᐀त मतदाता जागरूकता नौका सेवा सहित विभिन्न स्वीप पहलों का भी शुभारंभ किया गया।

लोकप्रिय एनिमेटेड पात्र छोटा भीम और चुटकी की उपस्थिति इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण रही। उन्होंने विशेष रूप से युवा और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को जागरूक करने के लिए इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इन पहलों का उद्देश्य मतदाताओं को मतदान के महत्व के बारे में शिक्षित और सूचित करना है, साथ ही उन्हें मतदान केंद्रों और मतदान से जुड़ी आवश्यक जानकारी प्रदान करना है। इन प्रयासों का लक्ष्य मतदान में शहरी मतदाताओं, महिलाओं, दिव्यांगों, युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के बीच भागीदारी को बढ़ाना तथा नागरिकों और अन्य हितधारकों को जागरूक करना।

पश्चिम बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत , जिसमें कालीघाट चित्रकला, पट्टाचित्र कला, छऊ नृत्य, जात्रा थिएटर और बाउल लोक परंपराएं शामिल हैं, को मतदाता जागरूकता संचार में एकीकृत करने पर विशेष जोर दिया जाएगा ।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया संकट की उभरती स्थिति के मद्देनजर तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हाल के पश्चिम एशिया घटनाक्रम और भारत पर उसके संभावित प्रभाव के संदर्भ में तैयारियों की समीक्षा के लिए आज राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप राज्यपालों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक बैठक की अध्यक्षता की।

प्रधानमंत्री ने सभी मुख्यमंत्रियों द्वारा दिए गए अहम सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि ये सुझाव उभरती स्थिति का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने भावी चुनौतियों से निपटने के लिए सतर्कता, तैयारियों और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया।

पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के पास इस तरह के वैश्विक व्यवधान से निपटने का पहले का अनुभव है। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान किए गए सामूहिक प्रयासों को याद किया, जब केंद्र और राज्यों ने 'टीम इंडिया' के रूप में मिलकर आपूर्ति श्रृंखलाओं, व्यापार और दैनिक जीवन पर प्रभाव को कम करने के लिए काम किया। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि यही सहयोग और समन्वय की भावना वर्तमान परिस्थितियों से निपटने में भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि हालात लगातार बदल रहे है, जिसके लिए निरंतर निगरानी और अनुकूल रणनीतियों की आवश्यकता है।

डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, श्री पीयूष गोयल, 26 मार्च 2026 से याउंडे, कैमरून में शुरू हुए विश्व व्यापार संगठन(डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं

श्री पीयूष गोयल ने विश्व व्यापार संगठन(डब्ल्यूटीओ) में सुधारों को पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से लागू करने का आ'ान किया, जिसमें विकास को केंद्र में रखा जाए

श्री गोयल ने विश्व व्यापार संगठन(डब्ल्यूटीओ) के मूलभूत सिद्धांतों और उद्देश्यों–विशेष रूप से भेदभाव-रहित नीति, सर्वसम्मति-आधारित निर्णय-निर्माण और समानता–को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कैमरून के माननीय प्रधानमंत्री महामहिम श्री डायोन न्गूटे जोसेफ से मुलाकात की और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के महानिदेशक के साथ वार्ता की

(जीएनएस)।

विश्व व्यापार संगठन(डब्ल्यूटीओ) का 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 26 मार्च 2026 को कैमरून के याउंडे में कैमरून के व्यापार मंत्री की अध्यक्षता में एक औपचारिक सत्र के साथ प्रारंभ हुआ। इस सत्र में डब्ल्यूटीओ की महानिदेशक डॉ. न्गोजी ओकोंजो-इवेला तथा सदस्य देशों के व्यापार मंत्रियों/वरिष्ठ प्रतिनिधियों उपस्थित थे। भारत की ओर से वाणिज्य सचिव श्री राजेश अग्रवाल ने इसके उद्घाटन सत्र में भाग लिया। उद्घाटन सत्र के बाद 15 सितंबर 2025 को मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते के लागू होने के उपलक्ष्य में एक संक्षिप्त समारोह भी आयोजित किया गया।

उद्घाटन समारोह के बाद, मंत्रियों ने डब्ल्यूटीओ के मूलभूत मुद्दों, जिसमें इसके सिद्धांत भी शामिल हैं, पर एक मंत्रिस्तरीय चर्चा के लिए बैठक की। इस सत्र के दौरान भारत के माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ में आवश्यक सुधार पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से किए जाने चाहिए, जिसमें विकास को केंद्र में रखा जाए तथा संगठन के मूलभूत बुनियादी सिद्धांतों और उद्देश्यों—विशेष रूप से भेदभाव-रहित नीति, सर्वसम्मति-आधारित निर्णय लेने की प्रक्रिया और निष्पक्षता—को बनाए रखा जाए।

एमसी14 बैठकों के पहले दिन के दौरान, श्री गोयल ने कैमरून के माननीय प्रधानमंत्री महामहिम श्री डायोन न्गूटे जोसेफ से मुलाकात की और भारत-कैमरून सहयोग को और मजबूत करने के उपायों सहित द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। श्री गोयल ने विश्व व्यापार संगठन(डब्ल्यूटीओ) की महानिदेशक के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की, जिसमें चचाएं मुख्य रूप से एमसी14 के एजेंडे पर केन्द्रित रहीं। एचसीआईएम ने नीदरलैंड, फ्रांस और इथियोपिया के अपने समकक्षों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें कीं और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को और गहरा करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

वाणिज्य सचिव श्री राजेश अग्रवाल ने भी एमसी-14 के दौरान चिली, पराग्वे, अमेरिका, नेपाल, फिलीपींस, सऊदी अरब, यूरोपीय संसद के प्रतिनिधिमंडल, मेक्सिको, पेरू, रूस, न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों में चर्चा एमसी-14 के एजेंडे के साथ-साथ द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को सुदृढ़ करने के विकल्पों पर केंद्रित रहीं। चिली और पेरू के साथ, दोनों पक्षों ने भारत-चिली एफटीए वार्ता और भारत-पेरू एफटीए वार्ता की प्रगति पर चर्चा की। यूरोपीय संघ और न्यूजीलैंड के साथ, दोनों पक्षों ने हाल ही में संपन्न भारत-ईयू एफटीए तथा भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वाताओं पर हस्ताक्षर की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की।

लिवप्योर ने अयोध्या में अपना 'एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट' लॉन्च किया; उत्तर प्रदेश में रिटेल नेटवर्क का विस्तार

अयोध्या लॉन्च के साथ, लिवप्योर ने उन तेजी से बढ़ते गैर-महानगर बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत की है, जहाँ खरीदारी के फैसले में 'प्रोडक्ट को खुद इस्तेमाल करके देखना' सबसे महत्वपूर्ण होता है।

अयोध्या, उत्तर प्रदेश, 27 मार्च 2026: भारत के सबसे भरोसेमंद और ग्राहकों की सेहत के प्रति समर्पित ब्रांड्स में से एक, लिवप्योर ने आज उत्तर प्रदेश के अयोध्या में अपना नया 'एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट' खोलने की घोषणा की है। यह पूरे राज्य में ब्रांड के जारी विस्तार में एक बड़ा पड़ाव है। 'एक्सपीरियंस-फर्स्ट' सोच के साथ तैयार यह आउटलेट लिवप्योर के स्मार्ट और सेहत पर केंद्रित होम सॉल्यूशंस को ग्राहकों के और करीब लाता है, जहाँ वे विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में इन प्रोडक्ट्स को गहराई से समझ सकते हैं।

अयोध्या में इस स्टोर का खुलना उभरते और उच्च क्षमता वाले बाजारों में अपनी भौतिक मौजूदगी बढ़ाने की लिवप्योर की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। नया आउटलेट ग्राहकों को लिवप्योर के सेहत से जुड़े नवाचारों जैसे वॉटर प्यूरीफिकेशन, किचन अप्लायंसेज और एयर सॉल्यूशंस का खुद अनुभव लेने का मौका देता है।पहले से संचालित कई आउटलेट्स की सफलता को आगे बढ़ाते हुए,

लिवप्योर पारदर्शी बातचीत, व्यक्तिगत प्रदर्शन और बेहतर इन-स्टोर अनुभव के जरिए ग्राहकों का भरोसा मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है।

इस विस्तार पर बात करते हुए लिवप्योर के प्रबंध निदेशक, श्री राकेश कौल ने कहा, "अयोध्या में हमारे एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट का शुभारंभ उत्तर प्रदेश में लिवप्योर के विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम है। अयोध्या जैसे शहरों में अब लोग उन होम सॉल्यूशंस को प्राथमिकता दे रहे हैं जो बेहतरीन परफॉर्मेंस देते हैं। यहाँ परिवार खरीदारी से पहले प्रोडक्ट्स को देखने, महसूस करने और समझने को महत्व देते हैं। हमारे आउटलेट्स इसी जरूरत को पूरा करने के लिए बनाए गए हैं, जहाँ तकनीक, नवाचार और विश्वास का एक बेहतरीन संगम मिलता है। यह स्टोर सिर्फ एक रिटेल स्पेस नहीं है, बल्कि यह इस क्षेत्र के परिवारों को सही जानकारी के साथ फैसले लेने और एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए सशक्त बनाने का एक मंच है।"

तकनीक आधारित वेलनेस पर केंद्रित यह आउटलेट ब्रांड के सबसे आधुनिक और 'हाई-परफॉर्मेंस' नवाचारों को प्रदर्शित करता है। यहाँ अक्ङ्ग्ळ-इनेबल्ड सॉल्यूशंस उपलब्ध हैं, जिनमें लिवप्योर की '2 फिल्टर लाइफ' वॉटर प्यूरीफायर रेंज, मेंटेनेंस-फ्री प्यूरीफायर, वॉयस-इनेबल्ड चिमनी और स्मार्ट ऊर्जा-कुशल उपकरणों का पूरा पोर्टफोलियो शामिल है। 'सस्टेनेबल' और भविष्य के अनुकूल जीवन पर आधारित यह आउटलेट लाइव प्रोडक्ट डेमो की सुविधा भी देता है, जहाँ विशेषज्ञ ग्राहकों को सही चुनाव करने में मदद करते हैं।

जैसा कि 'फिजिकल रिटेल' ग्राहकों का भरोसा जीतने में आज भी बड़ी भूमिका निभाता है, लिवप्योर पूरे भारत में अपने रिटेल विस्तार को और तेज करने की योजना बना रहा है। कंपनी ने अगले वित्त वर्ष तक प्रमुख बाजारों में 100 एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट खोलने का लक्ष्य रखा है, ताकि इसके वेलनेस इकोसिस्टम का लाभ ज्यादा से ज्यादा भारतीय घरों तक पहुँच सके।

गैस एजेंसियां नहीं कर रहीं ऑनलाइन बुकिंग, कालाबाजारी जोरों पर: डॉ. हुसैन मोहसिन जैदी

इजरायल-ईरान युद्ध की अफवाहों का फायदा उठा रहे गैस माफिया, सीएम योगी के आदेशों की उड़ रही धज्जियां

लखनऊ पूर्व कांग्रेस नेता एवं सिविल डिफेंस के पूर्व सेक्टर वार्डेन डॉ. हुसैन मोहसिन जैदी ने गैस एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर थोपे गए युद्ध के कारण पैदा हुई ईंधन की कमी की अफवाहों को गैस एजेंसियां ढाल बना रही हैं। इसी का फायदा उठाकर एजेंसियां काली कमाई में जुटी हैं।

होटलों और बाजारों में दोगुने दामों पर 'खेल'

डॉ. जैदी ने बताया कि गैस एजेंसियों के पास स्टॉक मौजूद है, लेकिन वे आम जनता को सिलेंडर देने के बजाय चोरी-छिपे होटलों और बाजारों में दोगुने से तिगुने दामों पर बेच रहे हैं। एक साधारण उपभोक्ता, जिसने पहले से बुकिंग करा रखी है, उसे घंटों लाइन में लगने के बाद खाली हाथ वापस भेज दिया जाता है। उन्हें यह कहकर टरकाया जा रहा है कि "माल आने पर मिलेगा", जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्पष्ट कह चुके हैं कि प्रदेश में गैस की कोई कमी नहीं है।

प्रशासन और जिला पूर्ति ल अधिकारी दिखावे के लिए छापे मार रहे हैं, लेकिन मिलीभगत के कारण जमीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं दिख रहा। डॉ. हुसैन मोहसिन जैदी

राधा ग्राम स्थित गीता गैस गोदाम पर गंभीर आरोप

ठाकुरगंज के राधा ग्राम स्थित गीता गैस गोदाम (इंडेन) का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यहां गैस की भारी मारा-मारी है बुकिंग बंद पहले जो सिलेंडर ऑनलाइन बुक करने पर 2-3 दिन में घर पहुंच जाता था, अब उस एजेंसी ने ऑनलाइन बुकिंग ही बंद कर दी है फोन बंद गोदाम मालिक से लेकर कर्मचारी तक किसी का फोन नहीं उठ रहा है।ल कालाबाजारी सिलेंडर चोरी-छिपे ब्लैक में बेचे जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री से सख्त कार्रवाई की मांग

डॉ. हुसैन मोहसिन जैदी (समाज सेवक एवं पूर्व सेक्टर वार्डेन, सरफराजगंज) ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि गैस एजेंसियों पर सख्ती से छापे मारे जाएं ताकि कालाबाजारी रुके बंद पड़ी ऑनलाइन बुकिंग को तुरंत बहाल कराया जाए अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए ताकि जनता को असुविधा न हो।

पीएनबी ने दिल्ली मेट्रो के साथ मिलकर पीएनबी सोल्जरथॉन 2026 के लिए मुफ्त सुबह की कनेक्टिविटी की पेशकश किया

येलो, ब्लू एवं वॉयलेट लाइनों पर सुबह की यात्रा के लिए तड़के तीन बजे से विशेष सुविधा

जेएलएन स्टेडियम पर रविवार 5 अप्रैल 2026 को सुबह 5 बजें से शुरूआत

तीन श्रेणियां: 21.1किमी (हाफ मैराथॉन), 10किमी और 5किमी

विजेताओं के दिए जाएंगे 19 लाख रुपए तक के नकद पुरस्कार

27 मार्च 2026: अपने 132वें स्थापना दिवस समारोह के अंग के रूप में, देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा रविवार, 5 अप्रैल 2026 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में पीएनबी सोल्जरथॉन दिल्ली 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

प्रतिभागियों की सुविधा के लिए अपनी तरह की इस पहली पहल में सुबह की विशेष मेट्रो सेवा तड़के 3:00 बजे से हर 30 मिनट के अंतराल पर , येलो, ब्लू और वॉयलेट लाइनों की नियमित समय सारिणी शुरू होने तक चलेंगी। इससे धावक और अन्य प्रतिभागी सुबह 5:00 बजे होने वाले फ्लैग-ऑफ से पहले आसानी से कार्यक्रम स्थल तक पहुँच सकेंगे। इसके अतिरिक्त, अपनी बिब पहनने वाले प्रतिभागी एक बार आने-जाने के लिए मुफ्त यात्रा के पात्र होंगे।

पीएनबी सोल्जरथॉन के इस दूसरे संस्करण की थीम " पीएनबी सोल्जरथॉन 2026-रन विद सोल्जर्स, रन फॉर सोल्जर्स" है, जो भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, बलिदान और अटूट प्रतिबद्धता के प्रति एक श्रद्धांजलि है। इस आयोजन का उद्देश्य नागरिकों, फिटनेस प्रेमियों और रक्षा समुदाय के सदस्यों को कृतज्ञता और एकजुटता की सामूहिक भावना के साथ एक मंच पर लाना है।

इस मैराथन में 21.1 किमी (हाफ मैराथन), 10 किमी और 5 किमी रन सहित कई दौड़ श्रेणियाँ शामिल होंगी, जो सभी आयु समूहों और फिटनेस स्तरों के लोगों को भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करेंगी, साथ ही एकता, जुझारूपन और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

इस पहल के बारे में बात करते हुए श्री दीपक कुमार, महाप्रबंधक, पीआर एवं सीसीडी, पीएनबी ने कहा, " पीएनबी सोल्जरथॉन 2026 केवल एक दौड़ नहीं है, बल्कि यह एक आंदोलन है जो राष्ट्र निर्माण और सामुदायिक जुड़ाव के प्रति बैंक की स्थायी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। सशस्त्र बलों के कर्मियों की उपस्थिति इस आयोजन के महत्व को और बढ़ाएगी, जिससे यह उन लोगों को सम्मानित करने का एक सार्थक मंच बन जाएगा जो निस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करते हैं।"

जनसुनवाई में मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान ने सुनीं लोगों की समस्याएं

अयोध्या।

मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक चंद्रभानु पासवान ने शुक्रवार को परसौली स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें विधायक के समक्ष रखीं। विधायक ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान राजस्व, बिजली, सड़क, पेयजल, पुलिस और अन्य विकास कार्यों से जुड़ी कई समस्याएं सामने आईं। विधायक चंद्रभानु पासवान ने कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर त्वरित निस्तारण कराने का प्रयास किया, जबकि अन्य समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

विधायक ने कहा कि जनता-जनार्दन की सेवा ही उनकी प्राथमिकता है और क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनका उद्देश्य है।

उन्होंने अधिकारियों से भी अपेक्षा जताई कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। विधायक ने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास और जनता की सुविधाओं के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं।

जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट

(जीएनएस)।

खखरेरू। थाना क्षेत्र के बैरी गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में गुरुवार को विवाद के बाद मारपीट हो गई। पीड़िता ने इसकी शिकायत थाने में की है। थाना क्षेत्र के बैरी गांव में अजय की पत्नी संगीता देवी ने पुलिस तहरीर में बताया कि वह गुरुवार शाम अपने घर जा रही थीं, इस दौरान गांव की एक महिला उनसे गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आक्रोशित गांव के मोनू, धौकल, अजीत तथा एक अन्य महिला ने मिलकर लाठी-डंडों से मरना-पीटना शुरू कर दिया। मारपीट की आवाज सुनकर बीच-बचाव करने करने पहुंचे पुत्र को भी उक्त आरोपियों ने बुरी तरह से पीट दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। घटना के बाद सभी आरोपी गाली-गलौज करते हुए मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों की मदद से घायल युवक को नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हो गई है। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

उ.प्र. में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल के संकट के दावों के बीच सीएम योगी बोले- मानसिक रूप से तैयार रहें...

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में बने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क सेंटर के उद्धाटन कार्यक्रम में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल के संकट के दावों पर अपनी बात रखी. सीएम ने मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के संदर्भ में कहा कि गल्फ वॉर की अफवाहों के बीच लोग अनावश्यक रूप से रसोई गैस के सिलेंडर लेने के लिए लाइनों में लग रहे हैं.

उन्होंने यह भी कहा कि यदि यह युद्ध लंबा खिंचता है तो उसका प्रभाव हर व्यक्ति पर पड़ सकता है, इसलिए हमें मानसिक रूप से तैयार रहना होगा और अफवाहों से दूर रहना होगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी कोई राष्ट्रीय चुनौती सामने आती है तो सरकार और जनता को मिलकर उसका सामना करना चाहिए, यही सच्ची राष्ट्रभक्ति है, और यदि देशहित में सरकार कोई कदम उठाती है तो हमें उसके लिए भी खुद को तैयार रखना चाहिए.

जरूरत होने पर ही पेट्रोल-डीजल लेने जाएं- सीएम योगी

उन्होंने कहा कि पहले अगर किसी घर में एक सिलेंडर एक महीने चलता था, तो आज लोग पांचवे-छठे दिन ही सिलेंडर लेने क्यों पहुंच रहे हैं. मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जब नंबर आएगा तो रजिस्ट्रेशन कराएं, रसोई गैस घर तक पहुंच जाएगी. प्रदेश सरकार ने सभी जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि पहले की तरह होम डिलीवरी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

रिहंदेश्वर धाम में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

ब्यूरो रिपोर्ट-- स्नेहा जायसवाल (बीजपुर) सोनभद्र। बीजपुर, एनटीपीसी परिसर में स्थित प्रसिद्ध रिहंदेश्वर धाम महादेव मंदिर में नवरात्रि एवं रामनवमी उत्सव बड़े हीं धूमधाम से मनाया गया। उन्नीस मार्च को कलश स्थापना के साथ प्रतिदिन सुबह चंडी पाठ एवं सायं श्री रामचरित मानस पाठ (नवाह परायण) विद्वान पंडितों के द्वारा किया गया। बीस मार्च को नवरात्रि एवं नववर्ष पर परिचर्चा का आयोजन किया गया; जिसमें अनेक श्रद्धालुओं एवं विद्वत जनों ने भाग लिया। 21 मार्च को स्थानीय कलाकारों द्वारा भव्य देवी जागरण किया गया। सैकड़ों की संख्या में भक्तजनों ने देवी जागरण में भाग लेते हुए भक्तिरस का आनंद लिया। 22 मार्च को मंदिर समिति ने विद्यार्थियों के लिए धार्मिक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें अलंकृत को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। 23 मार्च को श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक रूप से मंदिर परिसर में मंत्र जाप किया गया। 24 मार्च को भव्य रूप से सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया और भक्तों एवं श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। 25 मार्च को देवी स्तुति प्रतियोगिता में अनेक छात्र-छात्राओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया जिसमें डीएवी की छात्रा कशिश उपाध्याय को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। वैभव विश्वकर्मा ने वाद्ययंत्र बजाकर सबका मन मोह लिया। 26 मार्च को साहित्यिक अंताक्षरी प्रतियोगिता में रीतिका शुक्ला को प्रथम घोषित किया गया। 27 मार्च को प्रातः चंडी पाठ एवं श्रीरामचरितमानस पाठ के समापन के बाद हवन पूणार्हुति, ध्वज पूजन तथा कन्या पूजन किया गया। नौ कन्याओं के पूजन के उपरांत लगभग सौ कन्याओं को भोजन कराया गया एवं दक्षिणा दिया गया। बारह बजे भय प्रकट कृपाला दीन दयाला भजन के साथ श्रीराम जन्मोत्सव मनाया गया। तदुपरांत सैकड़ों श्रद्धालुओं ने परियोजना प्रमुख संजय असाटी के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया।

मंदिर समिति के अध्यक्ष संजीव खेड़ा, उपाध्यक्ष योगेश त्रिपाठी, उपमहाप्रबंधक निशांत कमल, राकेश राय, प्रमोद द्विवेदी, संजय कुमार के साथ मंदिर समिति के सभी सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान दिया। इस कार्यक्रम में डीएवी के प्राचार्य राजकुमार के साथ सोनभद्र जिले के विभिन्न क्षेत्रों जैसे खड़िया से पधारे ए एम सिंह, संदीप कुमार, रॉबर्ट्सगंज के पवन कुमार, ओबरा से ऋचा वाजपेई, विनिता जायसवाल, प्रियंका शुक्ला, गुरूप्रीत कौर, रेणुकूट की सीमा सिंह आदि ने भी रिहंदेश्वर धाम महादेव मंदिर में दर्शन पूजन के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया।

कार्डियो सेवा फाउंडेशन ने कराया गरीब बिटिया का निकाह, फाउंडर डॉ. हस्साम अहमद की रही अहम भूमिका

बहाइच। समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए कार्डियो सेवा फाउंडेशन ने एक गरीब और जरूरतमंद बिटिया का निकाह सम्पन्न कराया। इस नेक कार्य में संस्था के फाउंडर डॉ. हस्साम अहमद की अहम भूमिका रही, जिन्होंने पूरी जिम्मेदारी उठाते हुए बेटी के निकाह को सफल बनाया।

बताया जा रहा है कि यह बिटिया अपनी माँ के साए से महरूम है और आर्थिक स्थिति भी बेहद कमजोर थी। ऐसे में संस्था ने आगे आकर न सिर्फ निकाह की व्यवस्था की, बल्कि जरूरी सामान और सहयोग भी उपलब्ध कराया।

निकाह के दौरान स्थानीय लोग और संस्था के सदस्य भी मौजूद रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की। लोगों का कहना है कि इस तरह के कार्य समाज में इंसानियत और भाईचारे की मिसाल पेश करते हैं।

संस्था के फाउंडर डॉ. हस्साम अहमद ने कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना ही उनका उद्देश्य है और आगे भी ऐसे सामाजिक कार्य जारी रहेंगे।

यह नेक पहल समाज के लिए एक प्रेरणा है, जो यह संदेश देती है कि अगर इरादा नेक हो तो हर मुश्किल आसान हो सकती है।

चन्द्रपुरी में भागवत कथा से हो रहा वातावरण भक्तिमय : 30 मार्च को सभी भक्तों के लिए आयोजित होगा भंडारा

मथुरा (जीएनएस)।

महानगर की चन्द्रपुरी कॉलोनी में चल रही सात दिवसीय भागवत कथा ने पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय कर दिया है। भागवत कथा में कॉलोनी के लोग भारी संख्या में पहुंच कर भागवत कथा का श्रवण कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार चन्द्रपुरी कॉलोनी स्थित राधारानी गड्डे वाले पार्क में 23 मार्च से भागवत कथा प्रारंभ हुई है। दोपहर 2 बजे आयोजन स्थल पर भक्तों का तांता लग जाता है। श्रीधाम वृंदावन की भागवत वक्ता श्रीकृष्णप्रिया उपाध्याय अपने मुखारबिंद से भक्तों को भागवत कथा का श्रवण करा रही हैं। भागवत कथा के प्रथम दिवस पर भागवत वक्ता ने भागवत महात्मय की कथा सुनाई और दूसरे दिन महाभारत प्रसंग, द्रौपदी चीर हरण की कथा और शुकदेव जी की कथा का रसपान कराया तथा तीसरे दिन कपिल देवहूति संवाद, सती चरित्र की कथा और वामन पूजा का भक्तों को रसपान कराया। इसीक्रम में चतुर्थ दिवस पर संक्षिप्त में पुरी रामकथा और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा का श्रवण कराया। वहीं पांचवें दिवस पर भागवत वक्ता ने पूतना वध, माखन चोरी लीला, ऊखल बंधन लीला, भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया। इसके बाद गोवर्धन पूजा की तो पूरे क्षेत्र में भक्ति का रस बरसने लगा। भागवत कथा का आयोजन, चन्द्रपुरी कॉलोनी के समस्त नागरिक करा रहे हैं। वहीं भागवत कथा में यजमान, निरंजन सिंह एडवोकेट हैं तो वहीं शास्त्री चन्द्रप्रकाश उपाध्याय व्यवस्था संभाल रहे हैं। इस संबंध भागवत कथा के यजमान निरंजन सिंह एडवोकेट ने बताया कि भागवत का समापन 29 मार्च को होगा तथा 30 मार्च को भंडारा किया जाएगा। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासी और प्रभु प्रेमियों से भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया है।

भगवान श्रीराम मय हुआ वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर : श्रीश्री राधा वृन्दावन चंद्र का 20-वां पक्टयोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

मथुरा (जीएनएस)।

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमीं तिथि के पावन अवसर पर मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के अवतरण दिवस (राम नवमीं) को वृंदावन चंद्रोदय मंदिर के भक्तों द्वारा श्रीश्री राधा वृंदावन चंद्र के 20-वें पाटोत्सव को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। मंदिर परिसर को भव्य पुष्प सज्जा से अलंकृत किया गया, जहां सुसज्जित फूल बंगला भक्तों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस अवसर पर श्रीविग्रहों का वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य महाभिषेक किया गया। इस अवसर पर भगवान को 56 प्रकार के दिव्य भोग अर्पित किए गए। इसके साथ ही श्रीराम तारक यज्ञ, हरिनाम संकीर्तन एवं महाआरती का दिव्य एवं भव्य आयोजन किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर चंद्रोदय मंदिर के अध्यक्ष श्री चंचलापति दास ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए रामचरितमानस का संदर्भ देते हुए कहा कि भगवान राम-कृष्ण दोऊ एक हैं, अंतर नहीं निमेष। उनके नयन गंभीर हैं, इनके चपल विशेष। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण में कोई वास्तविक भेद नहीं है। भगवान श्रीराम मयार्दा पुरुषोत्तम के रूप में धर्म, सत्य, करुणा और कर्तव्यपालन के आदर्श प्रस्तुत करते हैं, जबकि भगवान श्रीकृष्ण लीला पुरुषोत्तम के रूप में प्रेम, आनंद और दिव्य लीलाओं के माध्यम से भक्तों का मार्गदर्शन करते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से दोनों एक ही परम तत्व के भिन्न-भिन्न स्वरूप हैं। उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति, सेवा और समर्पण भाव के साथ भाग लिया। श्रीराम नाम के संकीर्तन से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। इस अवसर पर मथुरा, आगरा, लखनऊ, दिल्ली, नोएडा, जयपुर, भरतपुर आदि विभिन्न शहरों से बड़ी संख्या में भक्त एवं श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और उत्सव का लाभ प्राप्त किया।

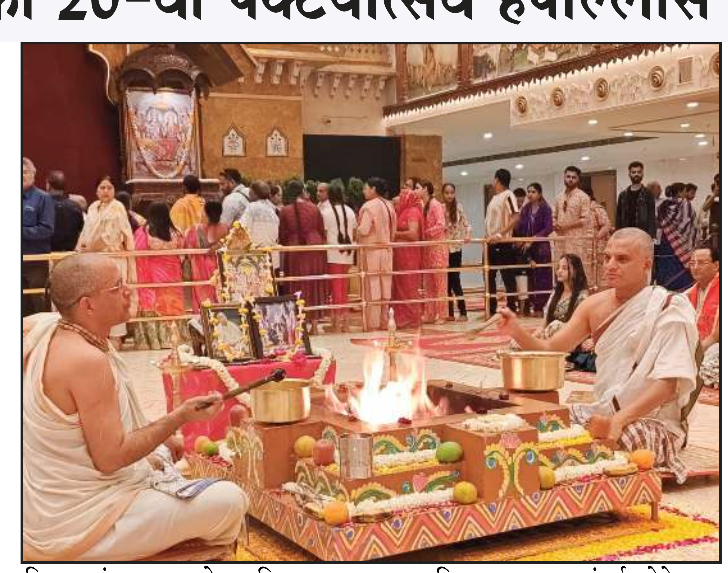

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

ट्रंप के 15 सूत्रीय प्रस्ताव पर ईरान का दो टूक इन्कार

पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने के लिए अमेरिका के 15 सूत्रीय प्रस्ताव को खारिज करते हुए ईंरान ने उल्टा अपनी पांच शत्रे रख दीं। ईंरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 15 सूत्रीय शांति प्रस्ताव को एकतरफा बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है और युद्ध खत्म करने के लिए अपनी पांच बड़ी शत्रे सामने रख दीं हैं। ईंरान ने स्पष्ट कहा कि वह यह युद्ध तब ही खत्म करेगा, जब उसकी मांगे पूरी होंगी। अमेरिका ने अपना प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए ईंरान तक पहुंचाया था। ईंरान ने दो टूक कहा कि न तो हमें ट्रंप पर विश्वास है और न ही हमें पाकिस्तान की मध्यस्थता मंजूर है। ईंरान ने अपनी पांच शतरे में युद्ध के नुकसान का भारी मुआवजा, टारगेट किलिंग पर रोक और सबसे महत्वपूर्ण स्टेट ऑफ होर्मुज पर पूर्ण संप्रभुता शामिल है। तेहरान का स्पष्ट रुख है कि शांति तभी होगी जब अमेरिका उसकी शतरे को मानेगा और क्षेत्र के सभी रेजिस्टेंस ग्रुप्स पर हमले बंद करेगा। ईंरान और अमेरिका के बीच छिड़ी इस भीषण जंग में अब तेहरान ने भी अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 सूत्रीय प्रस्ताव दिया था। यह वुछ इस प्रकार था: ईंरान अपने तीनों प्रमुख परमाणु ठिकानों को बंद करे। यूरेनियम संवर्धन को पूरी तरह रोके।

बैलिस्टिक मिसाइल कार्यव्रम को निलंबित किया जाएगा। विद्रोही समूह जैसे हमास, हिजबुल्लाह, हूती आदि को मदद बंद करें। होर्मुज को पूरी तरह खोला जाए। ईंरान ये वादा करे कि वह कभी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं करेगा। एक प्रमुख मांग यह भी थी कि मौजूदा संवर्धित यूरेनियम को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को सौंपना होगा। बाकी भी वुछ मांगे थीं, मैंने प्रमुख अमेरिकी मांगों का जिव्र किया है, ईंरान और अमेरिका एक-दूसरे से जो चाहते हैं, मुझे तो उन पर सहमति होना मुश्किल लगता है। कमोबेश इन्हीं मामलों पर फरवरी में भी बातचीत हुई थी। इन बिंदुओं को वह रेड लाइन कह सकते हैं, जिस पार करना दोनों देशों के लिए असंभव है। वहीं, ईंरान के विदेशी मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश संघर्ष का स्थायी अंत चाहता है। उन्होंने कहा कि युद्ध विराम के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है, लेकिन ईंरान की अमेरिका से वार्ता की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, अमेरिका मध्यस्थों के जरिए संदेश भेज रहा है। ऐसे संदेशों के आदान-प्रदान का मतलब वार्ता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने जिस मकसद से युद्ध छेड़ा था, उसे हासिल नहीं कर पाया। अमेरिका युद्ध में जीत और ईंरान में सत्ता परिवर्तन चाहता था, जो दोनों ही नहीं हुए। वहीं ईंरान के संयुक्त सैन्य कमान के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फकारी ने कहा जिस अमेरिकी रणनीतिक ताकत का ट्रंप शेखी बघारते थे, वह अब रणनीतिक हार में बदल गईं। आज कोईं भी अमेरिका के झूठे प्रचार से भ्रमित नहीं होगा। इससे पहले, अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिए भेजे प्रस्ताव में युद्ध विराम के लिए ईंरान को पाकिस्तान, तुर्किए में से किसी जगह वार्ता का सुझाव दिया था जिसे ईंरान ने सिरे से खारिज कर दिया। ईंरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बेघाईं ने कहा कि पिछले साल जब परमाणु वार्ता हो रही थी उसी बीच अमेरिका ने ईंरान पर हमला किया था। उन्होंने उसे वूटनीतिक विश्वासघात बताते हुए कहा, हमें अमेरिका पर कोईं भरोसा नहीं है। ट्रंप दो बार धोखा दे चुके हैं और अब हम ऐसा नहीं होने देंगे। हमारी राय में ताकत कोईं समाधान नहीं है। बातचीत पर आगे बढ़ने के लिए यह भी जरूरी है कि पहले ईंरान पर हमले बंद हों। यह नहीं हो सकता कि आप एक तरफ शांति प्रस्ताव भेजें और संघर्ष विराम की एक तरफा घोषणा करके हमले जारी रखें? यही नहीं अमेरिका लगातार अपनी थल सेना के सैनिक बढ़ाता जा रहा है। नए-नए युद्ध पोत, फाइटर विमान भेजे जा रहा है और दूसरी ओर शांति की बात करता है। यह दोगुलापन नहीं तो और क्या है? क्या आप ईंरान को दोष दे सकते हो अगर वो यह कहता है कि हमें ट्रंप पर कतईं विश्वास नहीं है।

चर्चा, बहस और असहमति का उद्देश्य राष्ट्रीय हित में निर्णय लेना होना चाहिए, न कि व्यवधान उत्पन्न करना, समाचार पत्रों को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने के प्रयास का नेतृत्व करना चाहिए: उपराष्ट्रपति

रामनाथ गोयनका ने आपातकाल के दौरान खाली संपादकीय प्रकाशित करके मौन की शक्ति का प्रदर्शन किया: रामनाथ गोयनका उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कारों के 20वें संस्करण में उपराष्ट्रपति

रामनाथ गोयनका उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कार पेशेवर उपलब्धियों और निडर, सिद्धांतनिष्ठ पत्रकारिता की भावना का कीर्तिगान करते हैं: उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में द इंडियन एक्सप्रेस समूह द्वारा आयोजित रामनाथ गोयनका उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कारों के 20वें संस्करण को संबोधित किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये पुरस्कार केवल पेशेवर उपलब्धियों का ही नहीं, बल्कि निडर और सिद्धांतनिष्ठ पत्रकारिता की स्थायी भावना का भी कीर्तिगान करते हैं। उन्होंने कहा कि इन पुरस्कारों की स्थापना को 20 वर्ष हो चुके हैं और ये श्री रामनाथ गोयनका की विरासत को सम्मानित करते हैं, जो विशेषकर भारत के इतिहास के कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में साहस, स्वतंत्रता और सत्य के प्रति अडिग प्रतिबद्धता से परिभाषित होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब मीडिया शक्तिशाली भी है और गहन जांच के दायरे में भी है, श्री गोयनका के आदर्श आज भी मार्गदर्शक बने हुए हैं।

उपराष्ट्रपति ने भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान श्री रामनाथ गोयनका की भूमिका को रेखांकित किया, जब उन्होंने ब्रिटिश सेंसरशिप के विरोध में समाचार पत्र को बंद करने का निर्णय लिया था। उन्होंने संविधान सभा के सदस्य के रूप में श्री गोयनका के योगदान को भी याद किया, जिसमें समाचार पत्रों पर

कराधान जैसे मुद्दों पर उनके हस्तक्षेप शामिल थे।

भारत में आपातकाल का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि श्री रामनाथ गोयनका ने खाली संपादकीय प्रकाशित करके मौन की शक्ति का प्रदर्शन किया, जो प्रेस की स्वतंत्रता और नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का सशक्त प्रतीक बन गया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संपादकों की गिरफ्तारी, बिजली आपूर्ति में बाधा, आर्थिक नुकसान और उत्पीड़न जैसी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद श्री गोयनका लोकतांत्रिक मूल्यों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि श्री रामनाथ गोयनका के जीवन की यात्रा —दरभंगा से चेन्नई तक और बाद में विदिशा से सांसद के रूप में—भारत की विविधता में एकता की भावना को दशार्ती है। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि श्री गोयनका ने व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए अंग्रेजी के साथ-साथ कई क्षेत्रीय भाषाओं में भी समाचार पत्र प्रकाशित किए, और उनके मूल्य आज भी द इंडियन एक्सप्रेस को निष्पक्षता, साहस और स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में परिभाषित करते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि चर्चा, बहस और यहां तक कि असहमति का परिणाम भी अंततः राष्ट्रहित में निर्णय लेना होना चाहिए, न कि व्यवधान उत्पन्न करना।

उन्होंने औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने के प्रधानमंत्री के आ'ान को भी याद किया और कहा कि वैश्विक और राष्ट्रीय घटनाक्रमों को देश के सभ्यतागत मूल्यों से जुड़े भारतीय नजरिए से दिखाने में द इंडियन एक्सप्रेस जैसे मीडिया संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उपराष्ट्रपति ने प्रगति, नवाचार और जमीनी स्तर पर हो रहे परिवर्तन की कहानियों को प्रमुखता से उजागर करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि संतुलित दृष्टिकोण में चुनौतियों के साथ-साथ उपलब्धियों को भी शामिल किया जाना चाहिए।

अपने संबोधन के समापन पर उपराष्ट्रपति ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और पत्रकारिता में उत्कृष्टता को सम्मानित करने की परंपरा को बनाए रखने के लिए आयोजकों की सराहना की।

आईसीएआर संस्थानों ने वैश्विक रैंकिंग में नए आयाम स्थापित किए और भारत की कृषि उच्च शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की

आईसीएआर के दो डीम्ड विश्वविद्यालयों ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग - विषयवार 2026 में ऐतिहासिक पदार्पण किया

(जीएनएस)।

विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए, भारतीय कृषि संस्थानों ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग बाई सब्जेक्ट 2026 में पहली बार अपनी उपस्थिति दर्ज की है। प्रधानमंत्री द्वारा दिसंबर 2025 में मुख्य सचिवों के सम्मेलन के दौरान दिए गए जोर के आलोक में, यह उपलब्धि बेहद ही महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने कुशल मानव पूंजी के विकास की महत्वपूर्ण जरूरत पर बल दिया था।

इस राष्ट्रीय प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान शिक्षा एवं विस्तार प्रणाली (एनएआरईईएस) के तहत विश्व स्तरीय, बहुविषयक और अनुसंधान-प्रधान शिक्षा से जुड़े इकोसिस्टम को मजबूत करने हेतु अथक प्रयास कर रही है। यूनाइटेड किंगडम (यूके) स्थित विश्लेषक क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा 25 मार्च को जारी नवीनतम क्यूएस रैंकिंग इन समन्वित प्रयासों की सफलता को दशार्ती है। वर्ष 2026 संस्करण में शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता की प्रतिष्ठा, अनुसंधान संबंधी उद्धरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे मापदंडों के आधार पर वैश्विक स्तर पर 1,900 से अधिक विश्वविद्यालयों के 21,000 से अधिक शैक्षणिक कार्यक्रमों का मूल्यांकन किया गया।

पहली बार, आईसीएआर के दो संस्थानों ने इस प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर स्थान बनाया है। बरेली स्थित आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान ने 51-100 रैंकिंग वाली श्रेणी में स्थान हासिल किया है और पशु चिकित्सा विज्ञान श्रेणी में शीर्ष 100 में शामिल होने वाला एकमात्र भारतीय विश्वविद्यालय बन गया है। वहीं, नई दिल्ली स्थित आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने कृषि एवं वानिकी श्रेणी में 151-200 रैंकिंग वाली श्रेणी में पहली बार स्थान बनाया है और भारतीय संस्थानों के एक विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है।

कुल मिलाकर, कृषि एवं वानिकी श्रेणी में वैश्विक स्तर पर 475 विश्वविद्यालयों में से 10 भारतीय विश्वविद्यालय शामिल हैं। 151-200 वाली श्रेणी में, आईएआरआई के साथ-साथ बनारस हिंदू

विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और आईआईटी खड़गपुर भी शामिल हैं। जबकि, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू) 201-250 वाली श्रेणी में है। उल्लेखनीय रूप से, हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भी 301-350 वाली श्रेणी में पहली बार अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है।

डीएआरई के सचिव एवं आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट ने कहा कि आईसीएआर के डीम्ड विश्वविद्यालयों की इस रैंकिंग में उपस्थिति कृषि-खाद्य एवं स्वास्थ्य प्रणालियों में मूलभूत और अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में उनके निरंतर बहुआयामी योगदान का सबूत है। कृषि विज्ञान के प्रतिस्पर्धी वैश्विक परिदृश्य, जहां संस्थानों का मूल्यांकन न केवल अनुसंधान संबंधी उत्कृष्टता बल्कि सामाजिक प्रभाव के आधार पर भी किया जाता है, को देखते हुए उनकी सफलता विशेष रूप से उल्लेखनीय है। आईसीएआर-आईएआरआई और आईवीआरआई का सशक्त प्रदर्शन उनके उस समन्वित दृष्टिकोण को रेखांकित करता है, जिसमें मौलिक अनुसंधान, व्यावहारिक विज्ञान और जमीनी स्तर पर पहुंच शामिल है। साथ ही, फसल एवं पशुधन सुधार और जलवायु के अनुकूल कृषि से संबंधित राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। पूर्व छात्रों के एक मजबूत नेटवर्क और हितधारकों के अटूट विश्वास ने वैश्विक मानचित्र पर उनकी उपस्थिति को और मजबूत किया है।

भारत जैसे-जैसे विकसित भारत की दिशा में अग्रसर हो रहा है, आईसीएआर के प्रमुख संस्थानों की वैश्विक मान्यता एक नए युग का संकेत देती है। देश की कृषि उच्च शिक्षा न केवल दुनिया के साथ कदम मिलाकर चल रही है, बल्कि विज्ञान, नवाचार और मानव पूंजी के विकास में उत्कृष्टता के नए मानदंड भी स्थापित कर रही है।

सरकार ने उर्वरक की जमाखोरी और कालाबाजारी मामले में कार्रवाई तेज की; किसानों के हितों की रक्षा के लिए 6,900 से अधिक लाइसेंस रद्द किए गए

सरकार ने फॉस्फेट और पोटैशियम युक्त उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना का क्रियान्वयन जारी रखा है

(जीएनएस)।

भारत सरकार ने उर्वरकों की जमाखोरी, हेराफेरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए कड़े प्रवर्तन उपाय किए हैं। रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया एस. पटेल ने आज लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत उर्वरकों को आवश्यक वस्तु घोषित किया गया है और उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के तहत अधिसूचित किया गया है जो राज्य सरकारों को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार देता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, राज्य सरकारों के परामर्श से, नियमित रूप से साप्ताहिक आधार पर प्रवर्तन कार्रवाइयों की निगरानी करता है और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करता है।

प्रवर्तन एजेंसियों ने अप्रैल 2025 से, 4,66,415 छापे मारे हैं, 16,246 कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं, 6,802 लाइसेंस निलंबित या रद्द किए हैं और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ 821 प्राथमिकी दर्ज की हैं। विशेष रूप से फरवरी 2026 में, जमाखोरी के मामलों में 28 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, दो लाइसेंस निलंबित/रद्द किए गए और दो प्राथमिकी दर्ज की गईं। ये उपाय किसानों को अनुचित विधियों से बचाने के लिए सरकार के दृढ़ संकल्प को दशार्ते हैं।

वर्तमान रबी 2025-26 सीजन के दौरान देश में यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस जैसे उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त बनी हुई है।

किफायती दामों पर यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, यूरिया सब्सिडी योजना के तहत किसानों को वैधानिक रूप से अधिसूचित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर यूरिया उपलब्ध कराया जाता है। 45 किलो यूरिया के बैग का एमआरपी 242 रुपये प्रति बैग है (इसमें नीम कोटिंग और लागू करों का शुल्क शामिल नहीं है)। खेत में यूरिया की आपूर्ति लागत और यूरिया इकाइयों द्वारा प्राप्त शुद्ध बाजार मूल्य के बीच का अंतर भारत सरकार द्वारा यूरिया निमार्ता/आयातकर्ता को सब्सिडी के रूप में दिया जाता है।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने फॉस्फेट और पोटैशियम (पी एवं के) उर्वरकों के लिए पोषक तत्व-आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना का क्रियान्वयन जारी रखा है ताकि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव के अनुरूप सब्सिडी दरों को समायोजित करके किफायती आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। सरकार प्रमुख उर्वरकों और कच्चे माल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर नजर रखती है और यदि कोई उतार-चढ़ाव होता है तो उसे किसानों को पी एवं के उर्वरकों की किफायती आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वार्षिक/द्विवार्षिक आधार पर पी एवं के उर्वरकों के लिए एनबीएस दरें निर्धारित करते समय ध्यान में रखा जाता है। इसके अलावा, सामर्थ्य सुनिश्चित करने के लिए, खरीफ 2025 और रबी 2025-26 के मौसमों के लिए एनबीएस सब्सिडी के अतिरिक्त आयातित और घरेलू दोनों प्रकार के डीएपी और आयातित टीएसपी पर 3500 रुपये प्रति मीट्रिक टन जैसे विशेष प्रावधान लागू किए गए हैं, जिनमें कारखाने से खेत तक की लागत, अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि/कमी के कारण होने वाला लाभ/हानि, अधिकतम खुदरा मूल्य में शामिल जीएसटी घटक का प्रावधान और शुद्ध अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी-जीएसटी) के 4 प्रतिशत की दर से उचित प्रतिफल का प्रावधान शामिल है।

डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप्स की सहायता करने और नवोन्मेषण इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने के लिए एक फ्यूल-टेक कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

(जीएनएस)।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने ईंधन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और संबद्ध सेक्टरों में स्टार्टअप्स की सहायता करने और नवोन्मेषण इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने के लिए एक फ्यूल टेक कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौता ज्ञापन के तहत, यह सहयोग विनिर्माण और डीप-टेक कार्य क्षेत्रों में स्टार्टअप्स को व्यवस्थित सहायता प्रदान करने पर केंद्रित होगा, जिसमें नवाचार चुनौतियों और हैकाथॉन का सह-आयोजन, निवेशक संपर्क कार्यक्रम और कौशल विकास पहल का आयोजन तथा प्रायोगिक अवसरों और बाजार तक पहुंच को सुगम बनाना शामिल है। यह पहल प्रारंभिक चरण के नवोन्मेषकों को विचार निर्माण से लेकर प्रोटोटाइपिंग तक

सहायता प्रदान करेगी और व्यापक पहुंच एवं भागीदारी के लिए स्टार्टअप इंडिया प्लेटफॉर्म का लाभ उठाएगी।

डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव श्री संजीव ने इस अवसर पर कहा कि यह साझेदारी बुनियादी ढांचे, मार्गदर्शन और बाजार संपर्कों तक पहुंच को सक्षम बनाकर भारत के स्टार्टअप इको-सिस्टम को सुदृढ़ करने की सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सहयोग से ईंधन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख सेक्टरों में नवाचार को गति मिलती है।

इस सहयोग के तहत, डीपीआईआईटी, रेपोस एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर उद्योग-स्टार्टअप संबंधों को मजबूत करने और प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों के विकास में सहयोग प्रदान करेगा। इस पहल से स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा मिलने और उभरते सेक्टरों में स्टार्टअप्स के विस्तार में सहायता मिलने की उम्मीद है।

डीपीआईआईटी के उप सचिव श्री टीएलके सिंह और रेपो एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की संस्थापक सुश्री अदिति भोसले वालुंज ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

पीएलआई योजनाओं ने 2.16 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित किया, 20.41 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन बढ़ाया और 14.39 लाख नौकरियां उत्पन्न की

(जीएनएस)।

सरकार ने 25 सितम्बर 2014 को 'मेक इन इंडिया' पहल की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य निवेश को बढ़ावा देना, नवाचार को प्रोत्साहित करना, विश्वस्तरीय अवसंरचना का निर्माण करना तथा भारत को विनिर्माण, डिजाइन और नवाचार का केन्द्र बनाना है। वर्तमान में, मेक इन इंडिया 2.0 का फोकस 27 क्षेत्रों पर है, जिनमें 15 विनिर्माण क्षेत्र शामिल हैं, और इसे विभिन्न मंत्रालयों, विभागों तथा राज्य सरकारों के माध्यम से लागू किया जा रहा है। मेक इन इंडिया 2.0 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की सूची परिशिष्ट-क में संलग्न है।

'मेक इन इंडिया' पहल के तहत किए गए अन्य प्रमुख उपायों में स्टार्ट-अप इंडिया, नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम, जीआईएस-सक्षम भूमि बैंक, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति सुधार, बहु-माध्यमीय अवसंरचना की समेकित योजना हेतु पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान, प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं की स्थापना में बाधाओं को दूर करने के लिए प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप, औद्योगिक पार्कों की स्थापना, व्यवसाय सुगमता में सुधार के उपाय, अनुपालन बोझ में कमी के उपाय, श्रम कानूनों का युक्तिकरण, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की शुरूआत, सार्वजनिक खरीद आदेशों के माध्यम से घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियां तथा चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी) शामिल हैं।

मेक इन इंडिया पहल के अंतर्गत, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं 14 प्रमुख क्षेत्रों में लागू की गई हैं, जिनमें बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण (एलएसईएम), आईटी हार्डवेयर, औषधि, बल्क ड्रग्स, चिकित्सा उपकरण, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स, एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल बैटरियां, सोलर पीवी मॉड्यूल, दूरसंचार एवं नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, विशेष इस्पात, श्वेत वस्तुएं तथा ड्रोन एवं ड्रोन कंपोनेंट्स शामिल हैं। इन योजनाओं के माध्यम से अतिरिक्त उत्पादन और बिक्री को प्रोत्साहित किया गया है। पीएलआई योजनाओं ने चिन्हित क्षेत्रों में नए निवेश को बढ़ावा दिया है और विनिर्माण क्षमता के विस्तार में सहयोग किया है।

पीएलआई योजनाओं के तहत 31 दिसम्बर 2025 तक 2.16 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्राप्त हुआ है। इन योजनाओं के अंतर्गत किए गए निवेश से 31 दिसम्बर 2025 तक 20.41 लाख करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त उत्पादन और बिक्री हुई है। इसके अतिरिक्त, इन योजनाओं के परिणामस्वरूप 14.39 लाख से अधिक (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) रोजगार सृजित हुए हैं, और पीएलआई ढांचे के अंतर्गत शामिल सभी 14 क्षेत्रों में कुल 836 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

भारत में विभिन्न क्षेत्रों में पीएलआई योजनाओं का प्रभाव महत्वपूर्ण रहा है। इन योजनाओं ने घरेलू विनिर्माण क्षमता को सुदृढ़ करने, निर्यात बढ़ाने, रोजगार सृजन करने तथा कई रणनीतिक क्षेत्रों में आयात पर निर्भरता कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पिछले तीन वर्षों के दौरान वास्तविक निवेश, उत्पादन में वृद्धि और रोजगार सृजन का विवरण परिशिष्ट-क्क में संलग्न है। पीएलआई के अंतर्गत राज्य-वार आंकड़ों का केन्द्रीकृत रूप से रखरखाव नहीं किया जाता है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विकास को समर्थन देने के लिए, केन्द्र सरकार विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतिगत पहलों के माध्यम से राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश सरकारों के प्रयासों को पूरक बनाती है। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित योजनाएं और कार्यक्रम शामिल हैं:-

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी): पीएमईजीपी के तहत गैर-कृषि क्षेत्र में नए सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए अधिकतम मार्जिन मनी सब्सिडी 35 प्रतिशत तक प्रदान की जाती है।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2026 प्रस्तुत किया

इस विधेयक में 23 मंत्रालयों द्वारा प्रशासित 79 केंद्रीय अधिनियमों के 784 प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव है

विधेयक में व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए 717 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और जीवन सुगमता को बढावा देने के लिए 67 संशोधनों का प्रावधान है

(जीएनएस)।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने आज केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2026 को लोकसभा में प्रस्तुत किया।

यह विधेयक व्यापार करने में सुगमता और जीवन यापन में सुगमता को बढ़ावा देने के साथ-साथ विश्वास और आनुपातिक विनियमन पर आधारित शासन ढांचे को आगे बढ़ाने के सरकार के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

विधेयक में निम्नलिखित प्रस्ताव हैं:

- 23 मंत्रालयों द्वारा प्रशासित 79 केंद्रीय अधिनियमों के 784 प्रावधानों में संशोधन
- व्यापार करने में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए 717 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना
- जीवनयापन को सुगम बनाने के लिए 67 प्रावधानों में संशोधन

इस विधेयक का उद्देश्य 1000 से अधिक अपराधों को सुव्यवस्थित करना, अप्रचलित और अनावश्यक प्रावधानों को हटाना और इस प्रकार समग्र नियामक वातावरण में सुधार करना है।

विधेयक में मामूली, तकनीकी या प्रक्रियात्मक चूकों के लिए आपराधिक दंडों की जगह नागरिक और प्रशासनिक प्रवर्तन तंत्रों की ओर बदलाव का प्रावधान है।

प्रमुख उपायों में शामिल हैं :

- कारावास प्रावधानों को आर्थिक दंड या चेतावनी से प्रतिस्थापित करना
- क्रमबद्ध प्रवर्तन तंत्र, जिसमें पहली बार उल्लंघन करने पर चेतावनी भी शामिल है
- अपराध की प्रकृति के अनुपात में जुमार्ने और दंडों का युक्तिकरण

कुशल और समयबद्ध प्रवर्तन सुनिश्चित करने के लिए, विधेयक में निम्नलिखित प्रावधान हैं:

न्यायनिर्णय अधिकारियों की नियुक्ति

अपीलीय प्राधिकरणों की स्थापना

इन उपायों का उद्देश्य मामलों का शीघ्र निपटान करना और न्यायालयों पर मुकदमेबाजी का बोझ कम करना है, साथ ही प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन सुनिश्चित करना है।

विधेयक में निम्नलिखित अधिनियमों के अंतर्गत 67 संशोधन भी प्रस्तावित हैं:

नई दिल्ली नगर परिषद अधिनियम, 1994

मोटर वाहन अधिनियम, 1988

इन संशोधनों का उद्देश्य नगरपालिका कराधान और वाहन संबंधी अनुपालन जैसे क्षेत्रों में प्रक्रियाओं को सरल बनाना और नागरिकों की सुविधा बढ़ाना है।

भारत को मिले सुरक्षित मार्ग पर बोले मनोज तिवारी, 'यह बहुत बड़ी कूटनीतिक सफलता'

(जीएनएस)।

मध्य पूर्व के बेहद संवेदनशील समुद्री मार्ग स्ट्रेट ऑफ हार्मुज (र३१ं३ ड्ड्ड ऌड्ड१४९) को लेकर भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी ने दावा किया है कि भारत को इस अहम जलमार्ग से सुरक्षित आवाजाही की अनुमति मिली है। उन्होंने कहा कि यह देश की बड़ी कूटनीतिक जीत है। संकट के इस समय में भी भारत की मजबूत स्थिति बरकरार है।

मनोज तिवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'फिलहाल सिर्फ पांच देशों के जहाजों को ही इस मार्ग से गुजरने की अनुमति दी गई है, जिनमें भारत भी शामिल है।' उन्होंने कहा कि यह स्थिति भारत की मजबूत विदेश नीति और वैश्विक स्तर पर बढ़ती साख को दशार्ती है। खास तौर पर ईरान ने भारत को 'फ्रेंडली नेशन' की सूची में शामिल किया जाना एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

– हार्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे व्यस्त और रणनीतिक समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस का परिवहन होता है।

– ऐसे में यहां किसी भी तरह की बाधा का सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और ईंधन कीमतों पर पड़ता है। भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देश के लिए इस मार्ग का खुला रहना बेहद जरूरी है।

– मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच ईरान ने यहां से गुजरने वाले जहाजों के ऊपर कई तरह के प्रतिबंध और टोल टैक्स भी लगाए हैं। इस वजह से क्रूड ऑयल की कीमतों में वैश्विक स्तर पर उछाल आया है।

मनोज तिवारी ने यह भी कहा कि सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि अंतरराष्ट्रीय हालात का असर देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर न पड़े। इसके लिए ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पीएम मोदी के प्रयासों और दूरदृष्टि की वजह से मुमकिन हो सका है। इससे हार्मुज मार्ग पर भारत की सुरक्षित पहुंच से न केवल तेल आपूर्ति सुनिश्चित होगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी स्थिरता मिलेगी। यह कदम भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने बीसलपुर जिला प्रचारक अशोक ठेनुओं के भाई मनोज के निधन पर जताया शोक

(जीएनएस)।

पीलीभीत, केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने पीलीभीत स्थित बीसलपुर जनपद के जिला प्रचारक अशोक कुमार ठेनुओं के छोटे भाई मनोज कुमार ठेनुओं के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।मंत्री श्री प्रसाद ने कहा, "पीलीभीत स्थित बीसलपुर जिले के जिला प्रचारक आदरणीय अशोक कुमार ठेनुओं जी

भाई साहब के छोटे भाई मनोज कुमार ठेनुओं जी के आकस्मिक निधन की दुःखद खबर प्राप्त हुई। भगवान पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।"यह घटना स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है। परिवार और समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है।

कुँ उद्देन्दु प्रताप उर्फ आशू चौधरी जी को राष्ट्रीय महासचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी

(जीएनएस)।

बाराबंकी आज भारतीय किसान यूनियन भानू के मंडल कार्यालय बड़ेल बाराबंकी पर राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह जी के आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया , इसके पश्चात भारतीय किसान यूनियन भानू के पूर्व किसान नेता रहे कुँ उद्देन्दु प्रताप उर्फ आशू चौधरी जिन्होंने तन , मन , धन से संगठन को बड़ी लगन के साथ सक्रिय एवं मजबूत किया था , परंतु व्यतिगत कारण वश थोड़े दिन अलग रहने के पश्चात आज पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष जी द्वारा मंडल पदाधिकारियों के समक्ष सर्व समित से कुँ उद्देन्दु प्रताप उर्फ आशू चौधरी जी को राष्ट्रीय महासचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई , इसके पश्चात चौधरी जी द्वारा मीडिया एवं संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के सम्मुख संगठन के किसी भी प्रकार की समस्याओं के निराकरण के लिए शासन एवं प्रशासन के साथ साथ जनता द्वारा चुने गए जन प्रतिनिधियों से भी मजबूती के साथ जवाब लिया जाएगा , अब किसी प्रकार की हिला

हवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी , और बहुत जल्द एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा , इस अवसर पर प्रदेश महासचिव रणवीर सिंह, मंडल अध्यक्ष अयोध्या रवि वर्मा , मंडल अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ अनुराग शुक्ला , युवा मंडल अध्यक्ष सोनू शर्मा, मंडल महासचिव पवन शर्मा जी , मंडल कोषाध्यक्ष संतोष वर्मा , जिलाध्यक्ष देशराज वर्मा,जिला प्रभारी बंशीलाल वर्मा , तहसील अध्यक्ष दद्दन सिंह, शरद सिंह , छात्र संघ जिलाध्यक्ष हर्ष सिंह , महिला जिलाध्यक्ष रेशमा बानो, बबलू वर्मा , अर्जुन विश्वकर्मा , शुभम गुप्ता , कादिर , उस्मान, हंसराज वर्मा , रिक्की , गुफरान , अशरफ , रवि यादव , दीपक वर्मा , और सैकड़ों किसान कार्यकर्ता मौजूद रहे

स्नान करने गए चार बच्चे डूबे, दो के शव बरामद, अन्य की तलाश जारी

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

प्रयागराज मांडा थाना क्षेत्र के बामपुर गांव स्थित गंगा घाट पर शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। स्नान करने गए सात बच्चे अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। घटना में तीन बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि चार बच्चे गंगा की तेज धारा में समा गए। इनमें से दो के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि दो बच्चों की तलाश जारी है।

बामपुर गांव निवासी मोहित 13 पुत्र दिगविजय, दिव्यांशु 16 पुत्र कमलेश, अमन 9 पुत्र कृष्ण कुमार, कुनाल 12 पुत्र अनिल, निहाल 10 पुत्र अनिल, दीपक 17 पुत्र राजाराम और ऋषभ 10 पुत्र कमलेश शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे गंगा घाट पर स्नान करने गए थे।

इसी दौरान अचानक गहराई में जाने से सभी बच्चे डूबने लगे। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद मछुआरे मौके पर पहुंचे और मोहित, दिव्यांशु व अमन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं कुनाल, निहाल, दीपक और ऋषभ गंगा की लहरों में बह गए। काफी प्रयास के बाद कुनाल और दीपक के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि निहाल और ऋषभ का अब तक पता नहीं चल सका है। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सूचना पर प्रभारी थाना निरीक्षक माधव प्रसाद त्रिपाठी और भारतगंज चौकी प्रभारी सुभाष सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद हैं और स्थानीय गोताखोरों की मदद से लापता बच्चों की तलाश जारी है।

बीसलपर में रामनवमी शोभायात्रा धमधाम से निकली: बेड बाजों मनमोहक झांकियों और पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बीसलपुर नगर में रामनवमी के पावन पर्व पर शुक्रवार को भगवान राम की शोभायात्रा धमधाम से निकाली ग इस दौरान बैंड बाजे और मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वषों कर भव्य स्वागत किया गया, जिससे पूरा नगर भगवान राम के जयकारों से गूंज उठा।

यह शोभायात्रा नगर के बढा स्थल मंदिर से परंपरागत तरीके से श्रू हई। यात्रा बड़ा स्थल चौराहे से होते हए होली चौराहा, गोपी टॉकीज मार्ग और मख्य बाजार सहित विभिन्न मार्गों से ग्जरी। अंत में यह श्यामल दास की माणे पर जाकर संपन्न हइं

शोभायात्रा में सबसे आगे श्रद्धाल भगवान राम की पताका लेकर जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। होली की चौपाई की टोली गीत गाती हुई आगे बढ़ रही थी, जबकि बैंड बाजे मधर धनें बजा रहे थे। भगवान राम, सीता शिव-पार्वती सहित कर्ड देवी-देवताओं की डांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हई थीं

डस शोभायात्रा में भाजपा नेता सचिन जायसवाल गिरधर जायसवाल, राधारमण विद्यालय के प्रधानाचार्य बाबराम शर्मा, अमर जायसवाल, शिवेंद्र नाथ शूक्ला राकेश अवस्थी, हरिशंकर श्रीवास्तव, लल्लन वर्मा और लक्ष्मीकांत मिश्रा सहित बडी संख्या में भक्तगण शामिल हुए।

डसी क्रम में, भाजपा नेता राजेश अग्रवाल द्वारा केम स्कॉलर्स विद्यालय में रामनवमी महोत्सव कार्यक्रम क भी आयोजन किया गया।

ग्राम पंचायत रेहड़िया में चोरों ने रात्रि के समय दिनदहाड़े चोरों ने एक घर को बनाया निशाना सोने चाँदी ब पैसे लेकर हुए फरार

रेहड़िया पुलिस चौकी से एक किलोमीटर कि दूरी पर चोरों ने बनाया निशाना सोना चाँदी ब पैसे लेकर चोर फरार

बदायूं / वजीरगंज रहड़िया गांव में चोरों के हौसले हुए बुलंद चोरों ने देवकी नंदन गुप्ता के घर रात्रि में करीब 8:30 बजे चोरों ने घर को बनाया निशाना बता दे की देवकी नंदन गुप्ता और उनके बेटे दोनों लोग मेले में मिठाई की दुकान चला रहे विवेक गुप्ता की पत्नी भावना देवी भैस को चारा डालकर अपने बच्चों को दो मंजिल मकान पर सोलाने के लिए ले गई तभी उन्होंने देखा कमरे में रखी अलमारी खुली थी और कपड़े अलमारी के बाहर पड़े हुए थे और अलमारी के

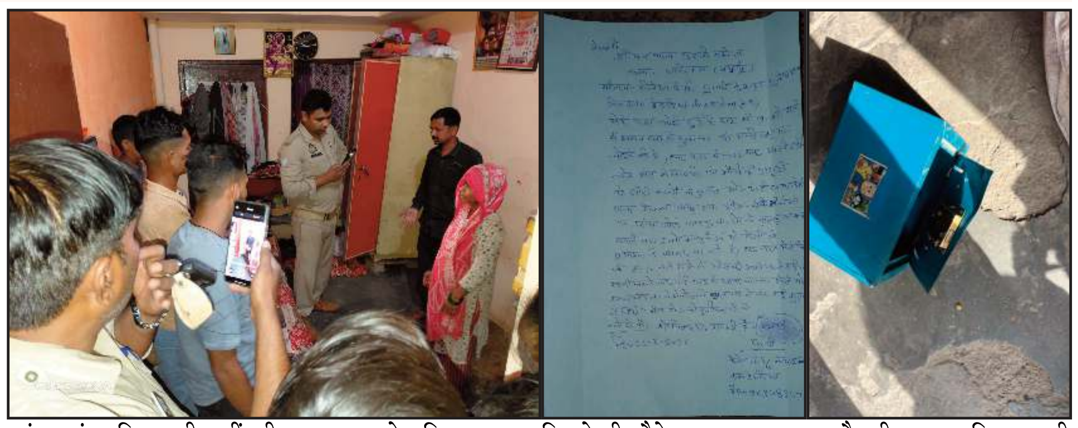

अंदर संदूककिया भी नहीं थी बताया गया अलमारी में पैसे ब सोने चाँदी के जेवरात रखे थे बो सब चोर ले गए तभी उन्होंने अपने घर बालों को सूचना दी तभी विवेक और उनके पिता मेले से घर आए तभी डायल 112 को फोन किया सूचना मिलते ही मौके पर पहुचीं डायल 112 पुलिस ने मौके का मुआयना किया देखा गया तो अलमारी की संदूकिया बराबर बाले खाली मकान में पुलिस को मिली पीड़ित ने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई पीड़ित का कहना है की एक व्यक्ति का भी प्रार्थना पत्र में नाम भी लिखवा दिया है जिस पर मुझे पूरा यकीन है थाना वजीरगंज पुलिस ने अभी एक चोर को गिरफ़्तार कर लिया है

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के प्रयास से पीलीभीत में सेतुओं की मरम्मत को मिली वित्तीय मंजूरी, सदर-बीसलपुर-पूरनपुर क्षेत्र को बड़ी राहत

(जीएनएस)।

पीलीभीत, लोकसभा क्षेत्र पीलीभीत के अंतर्गत आने वाले सदर, बीसलपुर और पूरनपुर विधानसभा क्षेत्रों में सेतुओं की विशेष मरम्मत कार्ययोजना को वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। इस निर्णय से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों और यात्रियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलने की उम्मीद है।

किसान नेता देव स्वरूप पटेल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद पीलीभीत लोकसभा क्षेत्र को मॉडल लोकसभा क्षेत्र बनाने का प्रयास लगातार कर रहे हैं जनपद में कई महत्वपूर्ण मार्गों और पुलों की मरम्मत तथा सुरक्षा संबंधी कार्य लंबे समय से प्रस्तावित थे। अब शासन स्तर से स्वीकृति मिलने के बाद इन कार्यों में तेजी आएगी। योजना के तहत विभिन्न स्थानों पर बॉक्स कल्वर्ट, आरसीसी पुलिया निर्माण, पहुंच मार्ग और सुरक्षा कार्यों को दुरुस्त किया जाएगा।

विशेष रूप से कटैया नवादा, पनघेली नदी क्षेत्र, बनकटी मार्ग, माधोटांडा-कलीनगर मार्ग सहित अन्य स्थानों पर जर्जर पुलों और मार्गों की मरम्मत की जाएगी। इससे बरसात के समय आने वाली दिक्कतों से भी लोगों को राहत मिलेगी।

केंद्रिया राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने स्वीकृति पर खुशी जताते हुए कहा कि यह क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया और कहा कि सरकार द्वारा लगातार आधारभूत संरचना को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इस योजना के लागू होने से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। किसानों और व्यापारियों को अपने उत्पादों के परिवहन में सहूलियत होगी, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी।

जनपद में पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी कतारें, अफवाहों से बढ़ी लोगों की चिंता

(जीएनएस)।

उन्नाव के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर डीजल, पेट्रोल भरवाने के लिए लोगों की लम्बी- लम्बी कतारें देखने को मिली

अचानक बढ़ी भीड़ के पीछे लोगों में बना हुआ है भय

पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति बाधित न हो जाए इसकी लोगों में बनी आशंका

शासन प्रशासन ने ऐसी आशंकाओं को पूरी तरह किया खारिज

अधिकारियों का स्पष्ट है कहना कि देश में पेट्रोल और डीजल की कोई नही है कमी

पेट्रोल और डीजल आपूर्ति लगातार सुचारू रूप से है जारी

प्रशासन लगातार कर रहा लोगों से अपील - अफवाहों पर न दें ध्यान

ग्राम पंचायत रेहड़िया में चोरों ने रात्रि के समय दिनदहाड़े चोरों ने एक घर को बनाया निशाना सोने चाँदी ब पैसे लेकर हुए फरार

रेहड़िया पुलिस चौकी से एक किलोमीटर कि दूरी पर चोरों ने बनाया निशाना सोना चाँदी ब पैसे लेकर चोर फरार

बदायूं / वजीरगंज रहड़िया गांव में चोरों के हौसले हुए बुलंद चोरों ने देवकी नंदन गुप्ता के घर रात्रि में करीब 8:30 बजे चोरों ने घर को बनाया निशाना बता दे की देवकी नंदन गुप्ता और उनके बेटे दोनों लोग मेले में मिठाई की दुकान चला रहे विवेक गुप्ता की पत्नी भावना देवी भैस को चारा डालकर अपने बच्चों को दो मंजिल मकान पर सोलाने के लिए ले गई तभी उन्होंने देखा कमरे में रखी अलमारी खुली थी और कपड़े अलमारी के बाहर पड़े हुए थे और अलमारी के अंदर संदूककिया भी नहीं थी बताया गया अलमारी में पैसे ब सोने चाँदी के जेवरात रखे थे बो सब चोर ले गए तभी उन्होंने अपने घर बालों को सूचना दी तभी विवेक और उनके पिता मेले से घर आए तभी डायल 112 को फोन किया सूचना मिलते ही मौके पर पहुचीं डायल 112 पुलिस ने मौके का मुआयना किया देखा गया तो अलमारी की संदूकिया बराबर बाले खाली मकान में पुलिस को मिली पीड़ित ने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई पीड़ित का कहना है की एक व्यक्ति का भी प्रार्थना पत्र में नाम भी लिखवा दिया है जिस पर मुझे पूरा यकीन है थाना वजीरगंज पुलिस ने अभी एक चोर को गिरफ़्तार कर लिया है

नैनी पुलिस ने तीन अभियुक्तों को स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

प्रयागराज की नैनी पुलिस ने शुक्रवार को तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से तलाशी के दौरान काफी मात्रा में स्मैक की पुड़िया, दो मोबाइल फोन और नकदी बरामद किया गया। अभियुक्तो को छिवकी स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में रितिक कुमार पुत्र स्व. राजकुमार, निवासी एफसीआई रोड गंगोत्री नगर, सलमान सिद्दीकी पुत्र मो. हुसैन, निवासी नैनी बाजार और दीपक भारतीया पुत्र बसंतलाल भारतीया निवासी शाहजी का पूरा शामिल है। पुलिस ने इनके कब्जे से कुल 38.18 ग्राम अवैध स्मैक, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन, एक की-पैड मोबाइल फोन और 410 रुपये नकद बरामद किया हैं।

- बरामदगी के विवरण

पुलिस के मुताबिक रितिक कुमार के पास से 60 कागज की पुड़िया में 13.85 ग्राम स्मैक, 150 रुपये नकद, एक सैमसंग एंड्रॉयड फोन और एक नोकिया की-पैड फोन मिला। सलमान सिद्दीकी के पास से 55 पुड़िया में 11.38 ग्राम अवैध स्मैक और 100 रुपये नकद बरामद हुए। दीपक भारतीया के कब्जे से 52 पुड़िया में 12.95 ग्राम अवैध स्मैक और 160 रुपये नकद मिला है।

पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने कबूला

अभियुक्तों ने बताया कि वह स्मैक बेचते हैं। वह स्मैक की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर आने-जाने वाले लोगों को बेचते थे। अभियुक्तों ने बताया कि वह स्मैक एक साथ लाकर अलग-अलग जगहों पर बेचने की तैयारी कर रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

मोबाइल फोन के संबंध में रितिक कुमार ने बताया कि वह इसका उपयोग ग्राहकों से संपर्क करने के लिए करता था। स्मैक के स्रोत के बारे में पूछे जाने पर तीनों ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति उन्हें स्मैक दे जाता है।

इस गिरफ्तारी में उप निरीक्षक सोहराब अहमद, एसआई रामानन्द विश्वकर्मा, चौकी प्रभारी कांशीराम, एसआई कुलदीप उपाध्याय, एसआई वरूणा राठौर, हेड कांस्टेबल ज्ञानेन्द्र कुमार, कांस्टेबल सोनू यादव शामिल थे।